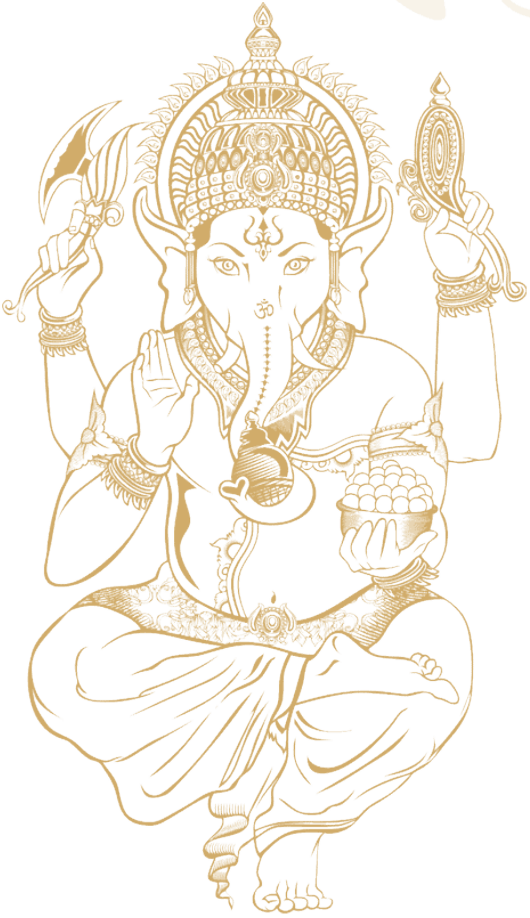

Mr.

16 Dec 2003

05:00 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 120856404

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **15-16/12/2003**
दिन	: सोम-मंगलवार
जन्म समय	: **05:00:00 घंटे**
इष्ट	: 54:47:22 घटी
स्थान	: **Meerut**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 04:40:48 घंटे
वेलान्तर	: 00:05:07 घंटे
साम्पातिक काल	: 10:17:38 घंटे
सूर्योदय	: 07:05:03 घंटे
सूर्यास्त	: 17:23:15 घंटे
दिनमान	: 10:18:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 29:39:42 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 01:43:11 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: प्रीति
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: मूषक
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:43:11	306:13:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	29:39:42	01:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	20:21:50	13:09:00	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मीन	05:45:25	00:34:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	18:24:30	00:17:05	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	24:25:17	00:03:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			धनु	29:33:05	01:14:11	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि	व		मिथु	17:08:05	00:04:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	25:59:44	00:00:45	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:59:44	00:00:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:34:33	00:01:51	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:17:04	00:01:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:59:24	00:02:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:31:19	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:31

लग्न-चलित

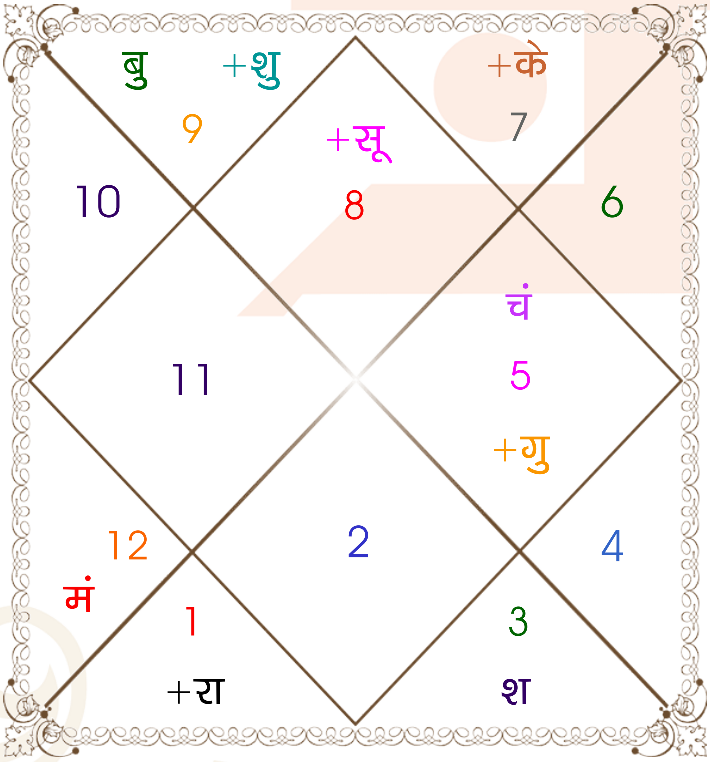

चन्द्र कुंडली

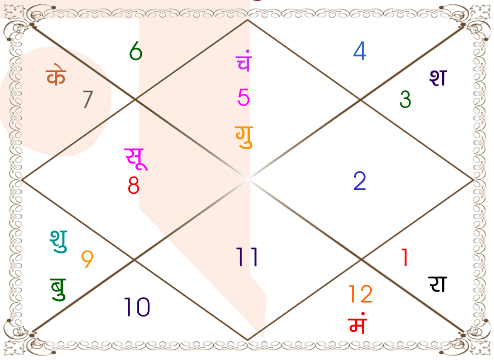

नवमांश कुंडली

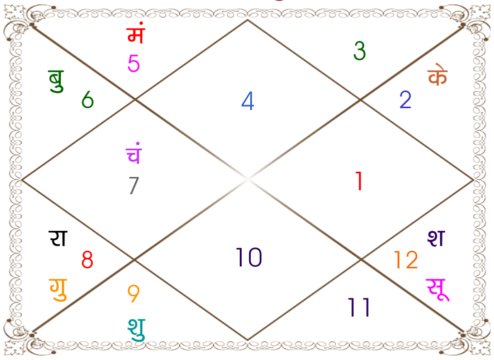

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 5 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/12/2003		30/05/2013		30/05/2019		30/05/2029		30/05/2036	
30/05/2013		30/05/2019		30/05/2029		30/05/2036		30/05/2054	
	00/00/0000	सूर्य	16/09/2013	चंद्र	30/03/2020	मंगल	26/10/2029	राहु	10/02/2039
	00/00/0000	चंद्र	18/03/2014	मंगल	29/10/2020	राहु	13/11/2030	गुरु	05/07/2041
	00/00/0000	मंगल	24/07/2014	राहु	30/04/2022	गुरु	20/10/2031	शनि	11/05/2044
	00/00/0000	राहु	18/06/2015	गुरु	30/08/2023	शनि	28/11/2032	बुध	29/11/2046
	16/12/2003	गुरु	05/04/2016	शनि	30/03/2025	बुध	25/11/2033	केतु	17/12/2047
गुरु	30/03/2006	शनि	18/03/2017	बुध	29/08/2026	केतु	23/04/2034	शुक्र	17/12/2050
शनि	30/05/2009	बुध	22/01/2018	केतु	30/03/2027	शुक्र	24/06/2035	सूर्य	11/11/2051
बुध	30/03/2012	केतु	30/05/2018	शुक्र	28/11/2028	सूर्य	29/10/2035	चंद्र	12/05/2053
केतु	30/05/2013	शुक्र	30/05/2019	सूर्य	30/05/2029	चंद्र	30/05/2036	मंगल	30/05/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/05/2054		30/05/2070		30/05/2089		31/05/2106		31/05/2113	
30/05/2070		30/05/2089		31/05/2106		31/05/2113		00/00/0000	
गुरु	17/07/2056	शनि	02/06/2073	बुध	26/10/2091	केतु	27/10/2106	शुक्र	29/09/2116
शनि	29/01/2059	बुध	10/02/2076	केतु	23/10/2092	शुक्र	27/12/2107	सूर्य	30/09/2117
बुध	05/05/2061	केतु	21/03/2077	शुक्र	23/08/2095	सूर्य	03/05/2108	चंद्र	31/05/2119
केतु	11/04/2062	शुक्र	20/05/2080	सूर्य	29/06/2096	चंद्र	02/12/2108	मंगल	30/07/2120
शुक्र	10/12/2064	सूर्य	02/05/2081	चंद्र	28/11/2097	मंगल	30/04/2109	राहु	31/07/2123
सूर्य	29/09/2065	चंद्र	02/12/2082	मंगल	26/11/2098	राहु	19/05/2110	गुरु	17/12/2123
चंद्र	29/01/2067	मंगल	11/01/2084	राहु	15/06/2101	गुरु	25/04/2111		00/00/0000
मंगल	04/01/2068	राहु	16/11/2086	गुरु	21/09/2103	शनि	03/06/2112		00/00/0000
राहु	30/05/2070	गुरु	30/05/2089	शनि	31/05/2106	बुध	31/05/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।